राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 24 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-267 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चंडीगढ़ मामले में बढ़ा विवाद तो गृह मंत्रालय बोला: अभी अंतिम फैसला नहीं

-आर्टिकल 240 के तहत चंडीगढ़ को केंद्र के दायरे में लाने का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ को आर्टिकल 240 के तहत केंद्र के दायरे में लाने संबंधी खबरों से शुरू हुए राजनीतिक घमासान के बीच केंद्र सरकार ने अब आधिकारिक प्रतिक्रिया देकर हालात शांत करने की कोशिश की है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि चंडीगढ़ के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल करने पर केवल प्रारंभिक स्तर पर विचार किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

गृह मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि प्रस्तावित बदलाव से चंडीगढ़ की मौजूदा प्रशासनिक संरचना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और न ही पंजाब व हरियाणा के पारंपरिक संबंधों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप होगा। मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी हितधारकों से चर्चा के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि आगामी शीतकालीन सत्र में इस विषय पर कोई विधेयक लाने की सरकार की योजना नहीं है।

विवाद की पृष्ठभूमि

विवाद तब उठा जब संसद की बुलेटिन में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 का ज़िक्र देखा गया। इसमें चंडीगढ़ को संविधान के आर्टिकल 240 में शामिल करने का प्रस्ताव था, जिससे राष्ट्रपति को क्षेत्र के लिए सीधे नियम बनाने का अधिकार मिल सकता था। कई राजनीतिक दलों ने आशंका जताई कि इससे चंडीगढ़ का प्रशासनिक नियंत्रण पंजाब से हटकर स्वतंत्र प्रशासक के हाथों में चला जाएगा।

पंजाब में सियासी तूफ़ान

इस संभावित प्रस्ताव ने पंजाब की सियासत में तूफान लाने का काम किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे पंजाब के साथ अन्याय करार दिया और कहा कि चंडीगढ़ पंजाब का अभिन्न हिस्सा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग ने चेतावनी दी कि चंडीगढ़ को छीनने की किसी भी कोशिश के गंभीर परिणाम होंगे। अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल ने इसे पंजाब के अधिकारों पर हमला बताया। आप सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने सभी पंजाब सांसदों से गृह मंत्री से मुलाकात कर विरोध दर्ज कराने की अपील की। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कथित प्रस्ताव पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

फिलहाल, केंद्र सरकार के बयान के बाद राजनीतिक हलकों में थोड़ी शांति लौटने की उम्मीद है, लेकिन चंडीगढ़ के भविष्य को लेकर बहस फिलहाल थमी नहीं है।

कोयंबटूर लाया गया दुर्घटनाग्रस्त तेजस के पायलट का पार्थिव शरीर, एयरफोर्स कर्मियों ने नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

चेन्नई (एजेंसी)। दुबई में हुए एयर शो में करतब दिखाने के दौरान तेजस फाइटर जेट क्रेश हुआ और पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई। स्याल का पार्थिव शरीर रविवार को कोयंबटूर के सुलूर एयर फोर्स स्टेशन लाया गया, जहां उनके साथियों और अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर पवन कुमार और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस कार्तिकेयन ने डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से श्रद्धांजलि दी, जबकि आईएएफ ने पूरे मिलिट्री ऑनर के साथ श्रद्धांजलि दी।

दस साल से ज्यादा समय तक स्याल ने एयर फोर्स में काम किया और उन्हें एक डिसिप्लिन्ड ऑफिसर माना जाता था। वह अपनी पत्नी, जो खुद भी एयर फोर्स ऑफिसर थीं, और अपनी सात साल की बेटी के साथ सुलूर एयर फोर्स क्वार्टर में रहते थे। इस क्रैश की खबर से पूरा परिवार टूट गया। साथ काम करने वालों ने उन्हें एक कमिटेड प्रोफेशनल और प्यार करने वाले पिता के तौर पर याद किया। वे अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए एविएशन और डिफेंस सिस्टम से जुड़ी एडवांस्ड पढ़ाई भी कर रहे थे। विंग कमांडर स्याल (37) हिमाचल प्रदेश के रहने वाले थे और सुलूर बेस पर सीनियर ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे थे। उन्होंने मशहूर एविएशन प्रदर्शनी में भारत के एरोबैटिक डिस्प्ले के लिए सुलूर से दुबई तक तेजस एमके-1 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट उड़ाया था, जिसमें दुनिया भर की बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों और डेलीगेशन ने हिस्सा लिया था। सुलूर में उन्हें श्रद्धांजलि के बाद, उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए हिमाचल प्रदेश में उनके पैतृक गांव ले जाया गया। आईएएफ के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना का सही कारण पता लगाने के लिए डिटेल्ड जांच के आदेश दे दिए गए हैं। विंग कमांडर नमन स्याल की दुखद मौत से एयर फोर्स कम्युनिटी और उससे भी आगे दुख की लहर है, क्योंकि पूरा देश एक ऐसे बहादुर ऑफिसर के जाने का शोक मना रहा है। भारतीय वायु सेना को स्वदेशी तेजस फाइटर की क्षमताओं को दिखाने के लिए कई हवाई प्रदर्शन करने थे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है: प्रधानमंत्री मोदी

जोहानिसबर्ग/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

मोदी ने यहां इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बिखरी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में आयोजित बैठक में मोदी ने कहा, ''आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।''

मानव-केंद्रित विकास सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंचों, साइबर सुरक्षा ढांचे और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पहल को साझा करने की सुविधा के लिए 'इब्सा डिजिटल नवाचार गठबंधन' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा।

'इब्सा' समूह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक शासन प्रणालियों में सुधारों को आगे बढ़ाने और विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 40 देशों में परियोजनाओं के समर्थन में इब्सा निधि के कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने दक्षिण-दक्षिण सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए जलवायु अनुकूल कृषि के लिए इब्सा निधि का प्रस्ताव रखा।

मोदी ने इब्सा बैठक को समयोचित बताया, क्योंकि यह अफ्रीकी धरती पर आयोजित प्रथम जी-20 शिखर सम्मेलन के साथ हुई है तथा 'ग्लोबल साउथ' देशों द्वारा लगातार चार बार जी-20 की अध्यक्षता किए जाने का नतीजा है, जिनमें से अंतिम तीन अध्यक्षता इब्सा सदस्यों द्वारा की गई थी।

उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप मानव-केंद्रित विकास, बहुपक्षीय सुधार और सतत विकास पर केंद्रित कई महत्वपूर्ण पहल हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इब्सा केवल तीन देशों का समूह नहीं है, बल्कि यह तीन महाद्वीपों, तीन प्रमुख लोकतांत्रिक देशों और तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है।

मोदी ने अगले वर्ष भारत में आयोजित होने वाले 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन में इब्सा नेताओं को आमंत्रित किया। साथ ही उन्होंने सुरक्षित, विश्वसनीय और मानव-केंद्रित कृत्रिम मेधा (एआई) मानदंडों के विकास में योगदान देने के लिए समूह की क्षमता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इब्सा एक दूसरे के विकास को पूरक बना सकता है और सतत विकास के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

उन्होंने बाजरा, प्राकृतिक खेती, आपदा प्रतिरोधक क्षमता, हरित ऊर्जा, पारंपरिक औषधियां और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला।

भारत में कोई मुस्लिम कुलपति नहीं बन सकता, बनता है तो भेज दिया जाता है जेल

-मौलाना मदनी ने मुसलमानों के साथ हो रहे भेदभाव को लेकर दी तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच के बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भारत में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मौलाना मदनी ने दावा किया कि भारत में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने विदेशों में मुस्लिम नेताओं के उच्च पदों तक पहुंचने का उदाहरण दिया, लेकिन भारत में ऐसे पदों पर पहुंचने वालों को जेल भेजा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना मदनी ने न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान ममदानी और लंदन के मेयर सादिक खान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में कोई मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति भी नहीं बन सकता और यदि कोई बनता है तो उसे जेल भेज दिया जाता है, जिसका उदाहरण आजम खान हैं। उन्होंने अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हो रही जांच का भी हवाला दिया। मदनी ने आरोप लगाया कि सरकार यह तय करने के लिए कोशिश कर रही है कि मुसलमान कभी सिर न उठा सके।

वहीं बीजेपी नेता यासिर जिलानी ने मदनी के बयानों की कड़ी आलोचना की। उन्हें भ्रमित करने वाला और गुमराह करने वाला बताया। जिलानी ने कहा कि मुसलमानों के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती और हिंदुओं से बेहतर कोई बड़ा भाई नहीं हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आजम खान और अल-फलाह यूनिवर्सिटी के मालिक के खिलाफ मामले कानूनी उल्लंघनों पर आधारित हैं।

जिलानी ने कहा कि आजम खान कई अपराधों में शामिल हैं। आजम खान और उनके बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान को हाल ही में एक दोहरे पैन कार्ड जालसाजी मामले में 7 साल की सजा सुनाई गई है। उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया था। एक अन्य बीजेपी नेता मोहसिन रजा ने आरोप लगाया कि मदनी और उनका परिवार देश के मुसलमानों को लूटता रहा है और वे दोषारोपण की राजनीति कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता उदित राज ने मौलाना अरशद मदनी के बयानों का समर्थन किया है और सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाया। उदित ने कहा कि वह मदनी के बयान का समर्थन करते हैं और उन्होंने सवाल किया कि मुसलमानों के घर बुलडोजर से क्यों गिराए जा रहे हैं? उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी में किसी ने आतंकवादी गतिविधि की होगी, लेकिन उनका कहना है कि पूरे विश्वविद्यालय को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

जस्टिस सूर्यकांत आज देश के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर लेंगे शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई बीआर गवई का रविवार शाम को कार्यकाल पूर्ण हो चुका है, अब सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत भारत के 53वें चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ लेंगे। जस्टिस सूर्यकांत अनुच्छेद 370 निरस्त करने और बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से लेकर पेगासस स्पाइवेयर मामला सहित अनेक ऐतिहासिक फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे हैं। गौरतलब है, कि बीते 30 अक्टूबर को जस्टिस सूर्यकांत को अगले सीजेआई के तौर पर नियुक्त किया गया था। शपथ ग्रहण के साथ ही जस्टिस सूर्यकांत इस पद पर लगभग 15 महीने तक रहेंगे। इसी के साथ ही वे 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 09 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस सूर्यकांत का जन्म हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उन्हें साल 2011 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से कानून में स्नातकोत्तर 'प्रथम श्रेणी में प्रथम' स्थान प्राप्त करने का गौरव भी हासिल है। जस्टिस सूर्यकांत एक छोटे से शहर के वकील से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर पहुंचे हैं। खास बात यह है कि वे राष्ट्रीय महत्व और संवैधानिक मामलों के अनेक फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में अनेक उल्लेखनीय फैसले करने वाले न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पांच अक्टूबर, 2018 को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर उनका कार्यकाल अनुच्छेद 370 को हटाने से जुड़े फैसले, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकता के अधिकारों पर फैसले देने के लिए विशेष रुप से जाना जाता है। जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को सीजेआई पद की थपथ लेकर बीआर गवई की जगह लेंगे।

सत्य साई बाबा की शिक्षाएं अनिश्चितता, संघर्ष की मौजूदा परिस्थितियों में अधिक प्रासंगिक: उपराष्ट्रपति

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। , उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी विरासत उनके महान उपदेशों के कारण दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता, संघर्ष और तनाव से भरे आज के वैश्विक परिवेश में बाबा की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुरु ने सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव मदद करो, कभी किसी को चोट न पहुंचाओ जैसे शाश्वत मूल्यों की शिक्षा दी और इन मार्गदर्शक सिद्धांतों ने उनके द्वारा किए गए प्रत्येक प्रयास और उनके द्वारा छुए गए प्रत्येक जीवन को आकार दिया। ?

उपराष्ट्रपति ने कहा कि साई बाबा ने जाति, धर्म, वर्ग और राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे अपना पूरा जीवन मानवता के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''अनिश्चितता, संघर्ष और तनाव से भरे आज के वैश्विक परिवेश में, भगवान सत्य साई बाबा की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। जब हम सभी निस्स्वार्थ सेवा और नैतिक जिम्मेदारी को अपनाते हैं, तो हम न केवल अपनी संस्थाओं को बल्कि अपने समाज की आत्मा को भी मजबूत करते हैं।'' ईश्वर एक है और कोई भी धर्म समाज को विभाजित नहीं कर सकता, यही साई बाबा का सबसे बड़ा उपदेश है। उनका कार्य और जीवन सच्ची आध्यात्मिकता का उदाहरण है।

नए श्रम कानूनों को लेकर ट्रेड यूनियन ने किया विरोध, बुधवार को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली। भारत के दस प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने केंद्र सरकार के चार नए श्रम संहिताओं को मजदूर विरोधी और कॉर्पोरेट हितैषी बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की है। इन यूनियनों ने आगामी बुधवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और हड़ताल का ऐलान किया है। ज्यादातर विपक्षी दलों से जुड़े ये यूनियन पिछले पांच साल से इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं। चारों श्रम संहिताएँ (वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता) वर्ष 2019-20 में संसद से पारित हो चुकी थीं और अब धीरे-धीरे लागू हो रही हैं। सरकार का दावा है कि इन संहिताओं से ब्रिटिश काल के 29 जटिल श्रम कानूनों को चार आसान कोड में समेटा गया है, जिससे निवेश बढ़ेगा, रोजगार सृजन होगा और मजदूरों को न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा तथा बेहतर कार्य दशाएं मिलेंगी। लेकिन ट्रेड यूनियनों का कहना है कि ये कानून मजदूरों के साथ धोखा हैं। इनसे कंपनियों को कर्मचारियों को बिना वजह निकालने, शिफ्ट की अवधि बढ़ाने और ठेका मजदूरी को बढ़ावा देने की खुली छूट मिल गई है।

सिद्धरमैया ने खड़गे से की मुलाकात, नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज

कहा- यह सिर्फ अटकलें हैं और इसे मीडिया ने ही बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में जारी खींचतान के बीच सीएम सिद्धरमैया ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। सीएम सिद्धरमैया ने हालांकि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष खड़गे के साथ अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री एवं कर्नाटक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर खींचतान चल रही है। सीएम सिद्धरमैया ने दावा किया कि वह अपने पद पर बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट भी पेश करेंगे। उसके जवाब में शिवकुमार ने उन्हें 'ऑल द बेस्ट' कहा।

सिद्धरमैया ने खड़गे से मुलाकात के बाद कहा कि यह शिष्टाचार भेंट थी। हालांकि, इस दौरान हमने संगठन और बेंगलुरु महानगरपालिका समेत आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर भी चर्चा की। सिद्धरमैया से जब सवाल किया कि क्या राज्य में सीएम बदलने को भी लेकर चर्चा हुई तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि यह सिर्फ अटकलें हैं। इसे मीडिया ने ही बनाया है। सीएम सिद्धरमैया ने कहा कि उन्होंने खड़गे से यह नहीं पूछा कि कर्नाटक के कुछ कांग्रेस विधायक उनसे दिल्ली में क्यों मिले थे।

उन्होंने कहा कि अगर मुझे विधायकों के खड़गे से मिलने के पीछे की वजह के बारे में जानकारी एकत्र करनी है, तो मैं खुफिया विभाग से इकट्ठा करुंगा। मैंने विधायकों से यह नहीं पूछा है कि वे वहां क्यों गए थे। कांग्रेस सूत्रों ने पहले बताया था कि कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन विधान परिषद सदस्य नई दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं ताकि कांग्रेस आलाकमान पर शिवकुमार को कर्नाटक का अगला सीएम बनाने के लिए दबाव डाल सकें। इस बीच केंद्रीय मंत्री और जनता दल सेक्युलर नेता एच डी कुमारस्वामी ने दावा किया कि कांग्रेस में बड़े बदलाव होने वाले हैं और पार्टी कैडर को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली धमाका: 5 डॉक्टरों ने मोटी रकम जुटाई और कई शहरों को दहलाने की बनाई योजना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हुए धमाकों के बाद हो रही जांच में कई रहस्यों का खुलासा हो रहा है। व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल केस के मुख्य आरोपी मुजम्मिल गनी ने एनआईए की पूछताछ में उसने बताया कि 5 डॉक्टरों ने मिलकर 26 लाख रुपये की फंडिंग जुटाई थी, ताकि देश के कई शहरों में एक साथ बड़े आतंकी हमले किए जा सकें। मुजम्मिल गनी ने कबूल किया कि उसने गुरुग्राम और नूह से करीब 3 लाख रुपये में 26 क्विंटल एनपीके फर्टिलाइजर खरीदा था। एनआईए अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त बताया कि गनी पर फर्टिलाइजर और अन्य केमिकल जुटाने की जिम्मेदारी थी। ये लोग रातोंरात विस्फोटक नहीं बना रहे थे, बल्कि बहुत सोची-समझी योजना के तहत काम कर रहे थे।

'सीमाएं बदलती रहती हैं... संभव है सिंध एक दिन फिर भारत का हिस्सा बने': राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली में आयोजित सिंधी समाज सम्मेलन में संबोधित करते हुए कहा कि भले ही आज सिंध भौगोलिक रूप से भारत का हिस्सा नहीं है, लेकिन सभ्यतागत रूप से वह हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में सीमाएं बदल सकती हैं और 'कौन जानता है, कल सिंध फिर भारत में वापस भी आ जाए।'

राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पाकिस्तान का सिंध प्रांत भारतीय उपमहाद्वीप में बसे सिंधी समुदाय का मूल स्थान है और सिंधु घाटी सभ्यता का उद्गम स्थल भी इसी क्षेत्र में है।

लाल कृष्ण आडवाणी का किया जिक्र

रक्षा मंत्री ने विभाजन के बाद भी सिंधी हिंदुओं के सिंध क्षेत्र से भावनात्मक जुड़ाव को सामने रखते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की पुस्तक का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आडवाणी के शब्दों में, 'कई सिंधी हिंदू आज भी सिंध के भारत से अलग होने को स्वीकार नहीं कर पाए हैं।'

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ हिंदू ही नहीं, बल्कि सिंध के कई मुसलमान भी सिंधु नदी को अत्यंत पवित्र मानते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, ÷सिंध के लोग आज जहां भी हों, वे हमारे अपने हैं।÷

सीएए का किया समर्थन

कार्यक्रम के दौरान राजनाथ सिंह ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई अल्पसंख्यकों पर लंबे समय से अत्याचार होते रहे हैं, उनके घर जलाए गए, परिवारों को सताया गया और जबरन धर्मांतरण तक करवाए गए।

उन्होंने पुराने शासनकाल की तुष्टिकरण राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि 'वोट बैंक की राजनीति में असली पीड़ितों की उपेक्षा की गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके दर्द को समझा और इसलिए सीएए लाया गया।'

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून उन लोगों के लिए है जो 31 दिसंबर 2014 से पहले धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिन्द की चादर गुरु श्री गुरु तेग बहादुर

श्री गुरु तेग बहादुर जी जानते थे कि उनके भक्तों ने बिना किसी पछतावे के धर्म के लिए कीमत चुकाई है। उन्होंने सभी प्रलोभनों को अस्वीकार कर कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उन्होंने आंसू की एक बूंद भी नहीं बहाई। श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन धर्म और मानवता के लिए एक सच्ची शहादत है। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब की क्रूरता के आगे हार नहीं मानी। उन्होंने हर सवाल के जवाब में कहा कि - ''मैं सिक्ख हूं और सिक्ख रहूंगा''!

(लेखक - संजय गोस्वामी)

(गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस 24 नवंबर)

गुरु तेग बहादुर दस गुरुओं में से नौवें थे जिन्होंने सिख धर्म की स्थापना की और 1665 से 1675 में अपने सिर कलम किए शहीद होने तक सिखों के गुरु रहे। बहादुर की ज़िंदगी और सोच इस बात में है कि कैसे गुरु नानक के एक ओंकार (ईश्वर की एकता) के संदेश को आगे बढ़ाते हुए, गुरु तेग बहादुर ने इंसानियत को सभी डर (निरभौ) से आज़ाद होने और सभी दुश्मनी (निरवैर) से अछूते रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने पिता (गुरु हरगोबिंद, छठे गुरु) और अपने बेटे (गुरु गोबिंद सिंह, दसवें गुरु) के बीच एक नैतिक और ऐतिहासिक कड़ी का काम किया। अपने पिता की निडर और बेबाक भावना को अपनाते हुए, उन्होंने गुरु गोबिंद को विरासत सौंपी, और सिखों को एक नई एकता और पहचान देने के लिए एक मज़बूत नींव दी। गुरु तेग बहादुर के सबसे बड़े बलिदान ने खालसा बनाने का रास्ता तैयार किया और इस तरह गुरु गोबिंद सिंह ने, गुरु नानक के मिशन पर काम करते हुए और अपने पिता के दिखाए रास्ते पर चलते हुए, गुरु नानक के सिखों को ऐसे संत सैनिकों में बदल दिया जो कट्टरता और असहिष्णुता के खिलाफ अपनी अंतरात्मा की आवाज़ की रक्षा कर सकते थे, जो उस समय के मुग़ल शासक की क्रूरता के को ख़त्म करने और मानवता की रक्षा हेतु एक ज़रूरी अभियान बन गई थी।

उनका जन्म अमृतसर, पंजाब में हुआ था।सिखों के 9 वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर एक महान योद्धा, आध्यात्मिक व्यक्तित्व और मातृभूमि के प्रेमी नौवें सिक्ख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान की मानवता सदैव ऋणी रहेगी। उन्होंने धर्म, मातृभूमि और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। इसीलिए उन्हें ''हिंद की चादर'' के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। उनको भगवान श्री राम के प्रति एक अनन्य प्रेम था. अद्वितीय तरीके से श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें निडर होकर एक स्वतंत्र जीवन जीने की शिक्षा दी। मुगल सम्राट औरंगजेब द्वारा गुरू जी और उनके परिवार को भारी यातनाएं देने पर भी उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया, बल्कि उन्हें एक दिव्य शांति के साथ सहन किया। त्याग मल से तेग बहादुर में उनका परिवर्तन मानव इतिहास में परम धार्मिक दृढ़ता, नैतिकता और बहादुरी की अद्भुत कहानी है। गुरू जी ने अपने जीवन का बलिदान दिया लेकिन सत्य और धार्मिकता के मार्ग को नहीं छोड़ा। उनकी दिव्य शक्ति ऐसी थी कि जब उनके शिष्यों को उनके सामने क्रूरता से मारा जा रहा था तो वे गहरे ध्यान में थे। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने कहा था कि धर्म एक कर्तव्य है, और एक आदर्श जीवन जीने का तरीका है। गुरू जी की शहादत मनुष्य को कर्तव्य परायणता, स्वतंत्रता व देश के प्रति प्रतिबद्धता का पाठ पढ़ाती है।

आज की युवा पीढ़ी को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, चरित्र और बलिदान से प्रेरणा पाकर मानवीय और नैतिक मूल्यों को जीवन में आगे बढ़ने की जरूरत है ताकि भारत फिर से विश्व गुरु बने। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अत्याचार और अन्याय के आगे झुकने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने बेहद कठिनाईयों के बावजुद आदर्श और सिद्धांत का मार्ग चुना। कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल 'चक नानकी' स्थान पर उनसे मिलने पहूँचा जो आज पवित्रनगरी ''श्री आनंदपुर साहिब'' के नाम स प्रसिद्ध है। उन्होंने धैर्यपूर्वक कश्मीरी पंडितों की बात सुनने के बाद कहा कि वे औरंगजेब या उनके आदमियों को यह बता दें कि वे अपना धर्म तभी बदल सकते हैं जब उनके गुरु ऐसा करेंगे।

इसके बाद औरंगजेब के अत्याचारीकृत्य इतने भयानक हुए कि आज भी उन्हें याद करने से डर लगता है। श्री गुरु तेग बहादुर जी को उनके तीनों भक्तों - भाई सती दास, भाई मति दास और भाई दयाला के साथ बंदी बना लिया गया। जब उन्होंने इस्लाम स्वीकार करने से क्या कलमा पढ़ने से ही इंकार कर दिया तो तीनों को उनके गुरु के सामने मार दिया गया। औरंगजेब ने इतिहास में इतना क्रूरता से उन सभी राम के भक्तो को इतनी बेहराहमी से मारा की वो तो शहीद हो गए और वाहेगुरु जी प्रकाश में समाहित हो गए लेकिन उनको इस ओर प्रेरित करने हेतु उनके पुत्र श्री गुरु गोविंद सिंह जी जो मात्र 8 साल के थे उन्होंने प्रेरित किया किया तो उन्होंने कश्मीरी पंडितो की रक्षा हेतु और भगवान राम ही हिन्दू धर्म इससे श्री गुरु तेग बहादुर जी अचंभित हुए और उन्होंने वर्ष 1675 में शहादत को गले लगा लिया। जब उनका सिर कलम किया गया तो वे स्वयं ध्यानरत थे। आज दिल्ली के चांदनी चौक में गुरुद्वारा शीश गंज साहिब त्याग और बलिदान की गाथा का प्रतीक है, जिसका मानव इतिहास में कोई मुकाबला नहीं है। भाई जैता जी श्री गुरु तेग बहादुर जी के पवित्र शीश को श्री आनंदपुर साहिब ले गए, जो दुनिया में सिक्खों के पवित्र स्थानों में से एक है।

उनके बलिदानों ने न केवल ''भगवान राम '' के सिद्धांत पर आधारित एक धर्म की रक्षा और भारतीय सभ्यता और संस्कृति को विलुप्त होने से बचाया, बल्कि एक दृढ़ और समावेशी राष्ट्र बनाने के रूप में भी काम किया।

सिक्ख धर्म की नींव की स्थापना मानव इतिहास में एक सामान्य बात नहीं थी, बल्कि यह इस्लाम के खिलाफ हिंदू धर्म की ढाल बन गई सभी वाहेगुरु जी के नाम पर मर मिटने वाले सच्चे राम भक्त थे । यह आज एक महान परंपरा व विरासत है, जिसे नौवें सिक्ख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपने धर्म की रक्षा के लिए लोगों को शक्ति व मजबूती प्रदान की बल्कि सिक्ख धर्म की महानता को शिखर तक पहूँचाया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी जानते थे कि उनके भक्तों ने बिना किसी पछतावे के धर्म के लिए कीमत चुकाई है। उन्होंने सभी प्रलोभनों को अस्वीकार कर कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उन्होंने आंसू की एक बूंद भी नहीं बहाई। श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन धर्म और मानवता के लिए एक सच्ची शहादत है। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब की क्रूरता के आगे हार नहीं मानी। उन्होंने हर सवाल के जवाब में कहा कि - ''मैं सिक्ख हूं और सिक्ख रहूंगा''!

आज श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं और बलिदान से हमें सबक लेने की जरूरत है । उनका बलिदान, सत्य अहिंसा में विश्वास, और सबके प्रति एक परोपकारी दृष्टिकोण के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अंधविश्वास, जाति आधारित भेदभाव

और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी ताकि हर इंसान अपनी पसंद का आदर्श जीवन जी सके। एक सच्चा धर्म हमें समाज और लोगों की सर्वोत्तम तरीके से सेवा करना सिखाता है। श्री गुरु तेग बहादुर जी कमजोर और वंचितों की बेहतरी के लिए लड़े। उनके सपुत्र गुरु गोबिंद सिंह ने न केवल अपने पिता के सिद्धांतों और मूल्यों को बरकरार रखा, बल्कि खालसा बनाकर उन्हें आगे बढ़ाया, जो धार्मिकता और न्याय के लिए लड़ाई का एक शानदार प्रतीक है।

हमें श्री गुरु तेग बहादुर जी की महान शिक्षाओं को सदैव याद रखना चाहिए। हमें सुख, दुख, सम्मान और अपमान में स्थिर और सन्तुलित जीवन व्यतीत करना चाहिए। उनकी शिक्षाएँ हमें उद्देश्यपूर्ण जीवन और समानता, सद्भाव नैतिक मूल्यों का पालन करने व सामाजिक जीवन में सुरूचिता बनाए बनाए रखने के मार्ग पर चलना सिखाती हैं। श्री गुरु तेग बहादुर जी के महान शब्द मानवता के लिए ऊर्जा और ज्ञान का एक चिरस्थायी स्रोत हैं। उनके शब्दों के मधुर पाठ का श्रद्धालुओं पर विद्युतीय प्रभाव पड़ता था। उन्होंने सबसे शांतिपूर्ण और मानवीय तरीके से निरंकुश और कट्टर शासक के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। श्री गुरु तेग बहादुर का जीवन हमें बिना विचलित हुए हर स्थिति का सामना करने और पूरी तरह से शांति और दृढ़ता के साथ जीना सिखाता है।

संपादकीय

नाबालिगों की गिरफ्तारी

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए।

गुरु तेग़ बहादुर- शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस 24 नवंबर)

गुरु तेग़ बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग़ बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं द्य तेग़ बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग़ बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुग़लों के हमले के ख़िलाफ़ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग़ बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग़ बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग़ बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया।

इसके बाद गुरु तेग़ बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगज़ेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज़ गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगज़ेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगज़ेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगज़ेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान् है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगज़ेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगज़ेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की ज़बर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग़ बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग़ बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग़ बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान् पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्पश्चात् गुरु तेग़ बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगज़ेब से कह दें कि यदि गुरु तेग़ बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग़ बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगज़ेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगज़ेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगज़ेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग़ बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग़ बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम ज़बर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग़ बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म ज़ारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग़ बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टत- क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

विचार मंथन

भरोसे की भैंस पड़ा ब्या गई, जमीन-जमीर दोनों खोए यूक्रेन ने?

(लेखक- सनत जैन)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का एक बयान आया, जिसमें उन्होंने कहा, हम अपनी जमीन और जमीर दोनों ही खोने की कगार पर खड़े हो गए हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल पूर्ण हो गए हैं। रूस और यूक्रेन को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस लड़ाई में नाटो देश जो चाहते थे वह भी अपने मकसद मे कामयाब नहीं हो पाए। यूक्रेन के हाथ भी कुछ नहीं लगा। नाटो देशों और अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करके यूक्रेन को एक तरह से बर्बाद कर दिया है। इस लड़ाई में अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को जिस तरह का वादा किया था वैसा साथ नहीं दिया। अब नाटो देश और अमेरिका ने जो हथियार दिए हैं उसके भी पैसे मांग रहे हैं। अमेरिका ने तो उसके बदले यूक्रेन का एक हिस्सा ही मांग लिया था। अमेरिका और नाटो देशों के भरोसे पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध छेड़ दिया था। यूक्रेन, सोवियत रूस का एक हिस्सा था। जब सोवियत रूस का विघटन हुआ तब यूक्रेन ने अपने आप को सोवियत रूस से अलग कर स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया था। यूक्रेन की आबादी अपने आप को रूस के ज्यादा निकट पाती है। यूक्रेन और रूस की संस्कृति एक दूसरे से जुड़ी हुई है। दोनों ही देशों के लोगों के एक दूसरे के साथ रिश्ते भी हैं। नाटो देशों ने यूक्रेन को जो लालच दिया था उस लालच में यूक्रेन ने जो भविष्य देखा था, उस लिहाज से नाटो देशों और अमेरिका ने एक तरह से यूक्रेन के साथ धोखा किया। उन्होंने यूक्रेन के साथ विश्वासघात किया है। पिछले 4 वर्षों में यूक्रेन की आम जनता का युद्ध के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। हजारों लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन ने कई दशकों में जो विकास किया था, इस लड़ाई में वह भी बर्बाद हो गया। नाटो देशों के संगठन और संयुक्त राष्ट्र संघ ने यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध बंद कराने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किए। अब इस युद्ध में यूक्रेन का सब कुछ बर्बाद हो गया है। अमेरिका जैसे देश भी अपने हितों को साधने में यूक्रेन को दबाने का काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 शर्तों के साथ एक प्लान तैयार करके जेलेंस्की को दिया है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यदि उसने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो ऐसी स्थिति में अमेरिका भविष्य में उसकी कोई मदद नहीं करेगा। यूक्रेन के लिए यह स्थिति आसमान से गिरने और खजूर में अटकने जैसी हो गई है। ट्रंप के शांति प्रस्ताव में यूक्रेन को अपना 20 फ़ीसदी हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन के डोनबास का इलाका भी शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख सैनिकों वाली सेना को रख पाएगा। नाटो देशों के संगठन में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनायें यूक्रेन में नहीं रहेंगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर कह रहे हैं, वह यूक्रेन के साथ हैं। यूरोप में शांति स्थापना के लिए यूक्रेन के पक्ष को मजबूती से रखना होगा। यूक्रेन को सुरक्षा कवच देने की बात कर रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए जो आर्थिक और सामरिक सहायता चाहिए थी वह तो दी नहीं, अभी भी भरोसे पर रख रहे हैं। वहीं ट्रंप ने जो प्रस्ताव जेलेंस्की को दिया है, उस प्रस्ताव में यूक्रेन के हाथ कुछ नहीं लग रहा है। यूक्रेन को शांति स्थापित करने के लिए अपना बहुत बड़ा हिस्सा रूस को देना होगा। यदि यूक्रेन ने शांति प्रस्ताव नहीं माना, तो अमेरिका ने यूक्रेन का साथ छोड़ने की धमकी दी है। ऐसी स्थिति में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अब खुद मानकर चल रहे हैं, वह नाटो देशों और अमेरिका के फैलाये गए जाल में बुरी तरह से फंस गए हैं। ट्रंप द्वारा जो शांति प्रस्ताव दिया गया है उसे ना उगलते बन रहा है, ना निगलते बन रहा है। यूक्रेन इस शांति प्रस्ताव के तहत ना अपनी जमीन बचा पा रहा है, ना ही अपने जमीर को ही बचा पा रहा है। रुस ने यूक्रेन को तो नाटो से दूर रहने को ही कहा था। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध करके अपना वह सब कुछ खो दिया है। जो उसका वैभव था। रूस को भी बड़ी आर्थिक, सामरिक और बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। यूक्रेन ने अमेरिका और नाटो देशों के भरोसे पर विश्वास करके सबसे बड़ी गलती की। यूक्रेन ने तेजी के साथ अपने विकास, आर्थिक एवं सामरिक हितों को खो दिया है। चार वर्ष बाद अब यूक्रेन को अपनी गलती का एहसास हो रहा है। यूक्रेन को अब लग रहा है- ना खुदा ही मिला, ना बिसाले सनम। यूक्रेन की यह हालत को देखकर दुनिया के अन्य देशों के शासकों को सबक लेना चाहिए। बड़ी-बड़ी महाशक्तियां अपने स्वार्थ के लिए किस तरह से छोटे देशों को अपना मोहरा बनाती हैं। अमेरिका और नाटो देशों ने रूस को कमजोर करने के लिए यूक्रेन को उकसाया। यूक्रेन को बीच रास्ते में छोड़कर अलग हो गए। रूस और यूक्रेन का युद्ध छोटे देशों के लिए एक सबक है। अमेरिका ने एक समय इसी तरह से ईरान का उपयोग, इराक के साथ लड़ाई लड़ने के लिए किया था। आज ईरान और अमेरिका के कैसे रिश्ते हैं, यह सारी दुनिया देख रही है। इराक का क्या हुआ। यह सभी के सामने है। इस तरह की घटनाओं से सबक लेने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने इस महीने भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का निवेश किया

- अक्टूबर में भी एफपीआई ने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया था

मुंबई । पिछले कुछ महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) का व्यवहार उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन नवंबर में स्थिति थोड़ी अलग दिखी। इस महीने उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में कुल 3,504 करोड़ रुपए का नेट निवेश किया। हालांकि, इक्विटी से शुद्ध बिकवाली 3,788 करोड़ रुपए रही, लेकिन डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में उनकी खरीदारी बढ़ी। डेट मार्केट में उन्होंने 4,467 करोड़, म्यूचुअल फंड्स में 2,713 करोड़ और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 112 करोड़ का निवेश किया। इसका मतलब यह है कि विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में पूरी तरह से बाहर नहीं हुए हैं, बल्कि जोखिम भरे हिस्सों से बचते हुए सुरक्षित निवेश कर रहे हैं। अक्टूबर में भी एफपीआई का मूड अच्छा रहा। उन्होंने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया। इससे पहले जून से सितंबर तक लगातार चार महीने विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की थी। इस लिहाज से अक्टूबर-नवंबर दो महीने से निवेश का रुझान लौटता हुआ दिखाई दे रहा है। साल 2024 की पूरी स्थिति देखें तो अब तक एफपीआई की कुल पोजिशन निगेटिव है। भारतीय बाजारों से उन्होंने 45,861 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें इक्विटी से 1,37,516 करोड़, डेट में 87,083 करोड़ का निवेश और म्यूचुअल फंड्स में 2,716 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। नवंबर की गतिविधियों से संकेत मिलता है कि विदेशी निवेशक अब भी भारतीय बाजार के प्रति सावधानी बरत रहे हैं। वे इक्विटी में उतार-चढ़ाव से बचते हुए डेट और म्यूचुअल फंड में भरोसा दिखा रहे हैं। आने वाले हफ्तों में एफपीआई के निवेश का रुझान और स्पष्ट होगा।

यूफ्लेक्स धारवाड़ में पैकेजिंग फिल्म क्षमता बढ़ाने 700 करोड़ निवेश करेगी

- 54,000 टन प्रति वर्ष नई क्षमता जोड़ने से वैश्विक उत्पादन बढ़कर 6,90,160 टन होगा

नई दिल्ली । फ्लेक्सिबल पैकेजिंग कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड कर्नाटक के धारवाड़ में अपने संयंत्र में पैकेजिंग फिल्म उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस निवेश से धारवाड़ संयंत्र में 54,000 टन प्रति वर्ष की नई क्षमता जुड़ जाएगी। यूफ्लेक्स के समूह अध्यक्ष ने बताया कि यह परियोजना कंपनी के वैश्विक पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी। निवेश के बाद कंपनी की वैश्विक पैकेजिंग फिल्म क्षमता 6,36,160 टन से बढ़कर 6,90,160 टन प्रति वर्ष हो जाएगी। धारवाड़ में यह विस्तार गुजरात के साणंद में हाल ही में पूरी हुई एसेप्टिक पैकेजिंग क्षमता वृद्धि के बाद हो रहा है। इसके अलावा, मिस्र, मेक्सिको और नोएडा में चल रही रणनीतिक परियोजनाएं भी कंपनी की वैश्विक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

एसएमएफसीएल ने समुद्री क्षेत्र में 25,000 करोड़ तक फाइनेंसिंग की मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारत की पहली समुद्री क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) ने कुल 25,000 करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की मंजूरी दी है। इस वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी 8,000 करोड़ रुपये तुरंत जुटाएगी ताकि लोन देना जल्दी शुरू किया जा सके। एसएमएफसीएल देश की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों से संपर्क कर रही है। समुद्री क्षेत्र की मजबूत संभावनाओं और लंबी प्रोजेक्ट लाइन के चलते एपेक्स रेटिंग मिलने की उम्मीद है। अच्छी रेटिंग से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कर्ज पर ब्याज दर कम होगी। कंपनी का लक्ष्य भारत को दुनिया के बड़े जहाज निर्माण देशों में शामिल करना है। एसएमएफसीएल सरकारी और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को शॉर्ट-टर्म, मीडियम-टर्म और लॉन्ग-टर्म लोन देगी। साथ ही, कैश फ्लो और गारंटी जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगी।

सेंसेक्स की टॉप सात कंप नियों का मार्केट कैप बढ़कर 1.28 लाख करोड़ हुआ

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। इस रफ्तार का फायदा देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों को हुआ, जिनका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर करीब 1.28 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। हालांकि, तीन दिग्गज कंपनियों को घाटा भी उठाना पड़ा। निवेशक और विशेषज्ञ अब अगले हफ्ते के रुझानों पर नजर रखे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा फायदा हुआ, इसके बाजार पूंजीकरण में 36,673 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। भारती एयरटेल का सिर्फ एक हफ्ते में मार्केट कैप 36,579 करोड़ बढ़ गया, आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने 17,490 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण में 16,299 करोड़ की वृद्धि हुई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 14,608 करोड़ पहुंच गया। एसबीआई और

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,846 करोड़ और 1,786 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसके विपरीत बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 8,245 करोड़ रुपए की गिरावट देखी गई। वहीं एलआईसी का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,522 करोड़ और आईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण घटकर 1,248 करोड़ रहा। शीर्ष 10 कंपे नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान नंवर बन पर बरकरार रहा। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारतीय एयरटेल तीसरे नंबर पर रही।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

भारत-इजरायल मुक्त व्यापार समझौते पर दो चरणों में होगा विचार

जेरुशलम । भारत और इजरायल ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू करने के लिए टीओआर पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगम बनाना और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते को दो चरणों में लागू करने पर विचार किया जा रहा है। पहला चरण जल्दी पूरा कर, व्यापारिक समुदाय को शीघ्र लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होगी। संवेदनशील मुद्दों को अभी नहीं छुआ जाएगा। दोनों देश आरएंडडी और नवाचार के माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे। इजरायल अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा और भारत अपने बड़े बाजार का लाभ उठाएगा। गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में इजरायल में हैं।

इस सप्ताह अस्थिर रह सकता है घरेलू शेयर बाजार

- वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों ने तेजी और गिरावट के मिश्रित रुझान दिखाए। सोमवार को बाजार में शुरुआती तेजी रही, लेकिन अगले ही दिन गिरावट देखने को मिली। मंगलवार और शुक्रवार को फिर तेजी दर्ज हुई, जिससे बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी-50 इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हालांकि अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट दर्ज की गई। निवेशक अब इस सप्ताह वैश्विक कारकों और रुपये की चाल पर नजर रखेंगे, क्योंकि बीते सप्ताह रुपये में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार अस्थिर रह सकता है। रुपये की कमजोरी से आयातित महंगाई बढ़ सकती है, जो कंपनियों के मुनाफे पर दबाव डाल सकती है। वहीं वैश्विक बाजारों की दिशा और तेल-सोना जैसे कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित कर सकता है। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होंगे, लेकिन शुक्रवार शाम को आने के कारण उनका असर अगले सप्ताह ही दिखाई देगा। निवेशक इन आंकड़ों के आधार पर लंबी अवधि के निवेश और पोर्टफोलियो समायोजन कर सकते हैं।

इंडिगो 22 दिसंबर से सेंसेक्स में होगी शामिल

- इंटरग्लोब एविएशन करेगा 7,270 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने सूचकांकों के पुनर्गठन की घोषणा करते हुए बताया कि इस बदलाव के साथ टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को सेंसेक्स से बाहर कर दिया जाएगा। यह परिवर्तन सोमवार यानी 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएगा। सूचना के बाद शनिवार को इंडिगो का शेयर 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ 5,840.25 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई ने अन्य इंडेक्स में भी बदलाव किए हैं। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को शामिल किया गया है, जो अडानी ग्रीन एनर्जी की जगह लेगा। इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 में मैक्स हेल्थकेयर को जोड़ा जाएगा, जबकि इंडसइंड बैंक को इस सूचकांक से हटा दिया गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इन बदलावों से संबंधित शेयरों में निवेशकों का रुझान बढ़ सकता है। इंडिगो ने विमान अधिग्रहण को तेज करने के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंटरग्लोब

सेंसेक्स में बड़ा फेरबदल

एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर यानी लगभग 7,270 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश शेयरों और 0.01 फीसदी गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर के संयोजन में एक या अधिक किस्तों में किया जाएगा। इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से विमान और विमानन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया जाएगा, ताकि कंपनी अधिक विमान अपनी प्रत्यक्ष स्वामित्व में ले सके। विमान ट्रैकिंग वेबसाइट प्लेनस्पॉटर के अनुसार, 21 नवंबर तक इंडिगो के बेड़े में कुल 411 विमान हैं, जिनमें से 365 परिचालन में हैं जबकि 46 ग्राउंडेड हैं। पारंपरिक रूप से लीजिंग मॉडल पर संचालन करने वाली इंडिगो ने 12 अक्टूबर 2023 को आईएफएससी इकाई बनाई थी, जो अब विमान खरीदने और उन्हें इंडिगो को ही लीज पर देने का काम करती है। यह कदम कंपनी की दीर्घकालिक लागत रणनीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

तेल-तिलहन बाजार: सरसों और पामोलीन की कीमतें गिरीं

- सोयाबीन और मूंगफली तेल में मामूली सुधार

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में कीमतों में मिली-जुली चाल रही। सरसों और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सोयाबीन और मूंगफली तेल में त्योहारी और जाड़े की मांग के असर से हल्का सुधार देखने को मिला। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव किसानों की आपूर्ति, घरेलू मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। सरसों के दाम 25 रुपये कम होकर 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सरसों दादरी तेल 75 रुपये गिरकर 14,675 रुपये और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,455-2,555 और 2,455-2,590 रुपये प्रति टिन (15 किलो) पर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों के ऊंचे भाव के कारण लिवाली अपेक्षा अनुसार नहीं हो रही, जिससे कीमतें गिरीं। सोयाबीन तेल की कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला। दिल्ली और इंदौर में सोयाबीन तेल क्रमशः 13,325 और 13,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए, जबकि डीगम तेल 50 रुपये बढ़कर 10,200 रुपये पर पहुंचा। त्योहारी मांग और सरकार की खरीद की उम्मीद से गिरावट सीमित रही। जाड़े की मांग के चलते मूंगफली तिलहन 100 रुपये बढ़कर 6,275-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, गुजरात का मूंगफली तेल 250 रुपये बढ़कर 14,750 रुपये और साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये बढ़कर 2,400-2,700 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सीपीओ तेल 50 रुपये गिरकर 11,250 रुपये, पामोलीन दिल्ली 13,050 रुपये और पामोलीन एक्स कांडला 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। बिनौला तेल के दाम भी 100 रुपये कम होकर 12,450 रुपये पर रहे।

यूनिसन मेटल्स ने की 1:10 शेयर स्प्लिट करने की घोषणा

- शेयर स्प्लिट का फैसला और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली । स्टेनलेस स्टील निर्माता यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 1:10 के रेशियो में स्प्लिट करने का बड़ा फैसला लिया है। यानी, अब जो शेयर 10 रुपए फेस वैल्यू के थे, उन्हें 10 नए शेयरों में बांट दिया जाएगा, प्रत्येक का फेस वैल्यू केवल 1 रुपए होगा। यह प्रस्ताव 29 सितंबर 2025 को हुई वार्षिक आम बैठक में शेयरहोल्डर्स द्वारा पास किया गया। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 नवंबर तय की है। इस तारीख तक जिनके पास शेयर होंगे, उन्हें पुराने शेयरों के बदले नए शेयर मिल जाएंगे। शेयर स्प्लिट के बावजूद निवेशकों की कुल राशि में कोई बदलाव नहीं होगा। केवल शेयरों की संख्या 10 गुना बढ़ जाएगी और कीमत अपने आप एडजस्ट हो जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उन्हें 1000 नए शेयर मिलेंगे। इस कदम का उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए शेयर खरीदना आसान बनाना और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाना है। यूनिसन मेटल्स यूसीएम ग्रुप का हिस्सा है और यह हॉट-कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स, किचनवेयर, बर्तन-कटलरी और स्टोरेज टैंक्स बनाती है। कंपनी ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ विभिन्न प्रोडक्ट्स में कोलैबोरेशन के लिए भी नामांकित किया गया है।

अगले हफ्ते ये दो बड़ी कंपनियां निवेशकों को बांटेगी बोनस

एचडीएफसी एएमसी और थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज दे रही मुफ्त शेयर

नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए अगले सप्ताह एक खास मौका आ रहा है। कंपनियां अपने मौजूदा शेयरधारकों को बोनस शेयर देंगी, यानी बिना किसी अतिरिक्त निवेश के उन्हें नए शेयर मिलेंगे। इससे शेयरधारकों की हिस्सेदारी बढ़ती है और पोर्टफोलियो में सुधार होता है। हालांकि, हर शेयर का मूल्य एडजस्ट हो जाएगा। एचडीएफसी एएमसी अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। इसका मतलब है कि जिनके पास एक शेयर है, उन्हें एक नया शेयर मुफ्त मिलेगा। कंपनी का एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट 26 नवंबर 2025 तय किया गया है। इस दिन या इससे पहले शेयर खरीदने वाले निवेशक बोनस पाने के योग्य होंगे। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने निर्धारित है। यह कदम कंपनी की बढ़ती सफलता और शेयरधारकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोनस इश्यू से निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ती है, बाजार में लिक्विडिटी बेहतर होती है और लंबी अवधि की निवेश रणनीति मजबूत होती है। छोटे निवेशकों के लिए यह

अवसर खास तौर पर लाभकारी है, क्योंकि वे बिना अतिरिक्त निवेश के अपने शेयर बढ़ा सकते हैं।

रोल्स-रॉयस का भारत में निजी क्षेत्र पावर सिस्टम कारोबार बढ़ेगा

- 2026-27 तक 60 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय एयरोस्पेस और पावर सिस्टम कंपनी रोल्स-रॉयस ने कहा है कि 2026-27 तक उसका भारत में निजी क्षेत्र का पावर सिस्टम कारोबार सरकारी आपूर्ति से अधिक हो जाएगा। कंपनी अपने उत्पाद और समाधान एमटीयू ब्रांड के तहत बेचती है, जिसमें डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर साइट, फैक्ट्रियां और अन्य संस्थागत बैकअप पावर तैनाती शामिल हैं। रोल्स-रॉयस के अनुसार, पहले भारत में कारोबार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा सरकारी क्षेत्रों (नौसेना, थल सेना, खनन और अस्पतालों) से आता था और 30 फीसदी निजी क्षेत्र से। अब यह अनुपात लगभग 50-50 प्रतिशत हो गया है। कंपनी का मानना है कि आने वाले वर्षों में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी और बढ़ेगी और 2026-27 तक यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

रोल्स-रॉयस ने निजी क्षेत्र के तीन मुख्य स्तंभों की पहचान की है -

1.डेटा सेंटर: तेजी से बढ़ती मांग के साथ बड़ा अवसर।

2. गैस इंजन: औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग के लिए।

3. सेमीकंडक्टर निर्माण: निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समाधान।

कंपनी भारत में 25 साल से अधिक समय से सक्रिय है। वर्तमान में 2,600 से अधिक एमटीयू इंजन और जेनसेट नौसेना, थल सेना, खनन और बिजली क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर पर 1 अरब डॉलर की डिफॉल्ट जजमेंट जारी की

1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट जारी करते हुए उन्हें 1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया है। यह मामला बायजू की अमेरिकी कंपनी बायजू अल्फा और अमेरिकी लेंडर जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलआईसी की याचिका से जुड़ा है। बायजू रवींद्रन के नेतृत्व में टीएलपीएल ने अमेरिकी लेंडर्स से 1 बिलियन डॉलर का टर्म लोन बी लिया था।

बाद में आरोप लगे कि बायजू अल्फा ने लोन की शर्तों का उल्लंघन किया और 533 मिलियन डॉलर अवैध रूप से अमेरिका से बाहर ट्रांसफर किए। जीएलएएस ट्रस्ट ने डेलावेयर कोर्ट में केस दायर किया और बायजू अल्फा पर नियंत्रण हासिल किया। डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने पाया कि रवींद्रन डिस्कवरी ऑर्डर का पालन नहीं कर रहे थे और कई बार जानकारी देने से बचते रहे। पहले ही उन्हें प्रतिदिन 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जिसे उन्होंने अदा नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन विदेश में रहते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करना चाहते।

कोर्ट ने रवींद्रन को बायजू अल्फा से जुड़े सभी फंड्स और उनके ट्रांसफर की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया। इसमें कम्सहाफ एलपी इंट्रेस्ट जैसे एसेट्स और उनसे जुड़े हर लेन-देन की जानकारी शामिल है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा कि केवल आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिफॉल्ट जजमेंट जैसी कठोर कार्रवाई जरूरी थी।

रेलवे ने पार किया 1 अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा

- यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है

नई दिल्ली ।

भारत की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली रेलवे की माल ढुलाई 2025-26 में 19 नवंबर तक 102 करोड़ टन पार कर गई। यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है। सबसे बड़ा योगदान कोयला (50.5 करोड़ टन) का रहा। इसके बाद लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न 3 करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। रेल मंत्रालय के अनुसार, दैनिक माल ढुलाई 44 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है। यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है। यह उपलब्धि

भारतीय उद्योगों, निर्माण और ऊर्जा क्षेत्रों की मजबूती को दर्शाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी, यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

-भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी (एजेंसी)। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक लगाया।

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

-तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो

गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै ।हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, ' हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी(एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस

जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियों करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश) । मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमुदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर ।भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी चिंता उभरकर सामने आई है, क्योंकि युवा स्टार बल्लेबाज़ शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज में खेल पाने की उम्मीद अब बेहद कम हो गई है। ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान हुई गर्दन की गंभीर ऐंठन के बाद गिल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी चोट पहले से अधिक गंभीर पाई गई। अब खबरें साफ इशारा कर रही हैं कि गिल दिसंबर की टी20आई सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाएंगे और नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब अगले साल ही मैदान पर लौट सकते हैं।

गिल की गर्दन की चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर

कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक गर्दन में तेज़ दर्द और अकड़न महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। शुरुआती अंदाज़े में इसे मामूली ऐंठन माना जा रहा था, लेकिन स्कैन रिपोर्ट्स ने चोट को अधिक गंभीर बताया। इसी कारण गिल को टेस्ट टीम से औपचारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया, और अनुमान लगाया गया कि वे व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा होना अब मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे गिल

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में गिल का खेलना लगभग असंभव माना जा रहा है। गिल को लगातार इंजेक्शन लग रहे हैं, वे नियमित रूप से स्पाइनल कंसल्टेंट्स के संपर्क में हैं, चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम और चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए, टीम मैनेजमेंट चाहता है कि गिल जल्दबाज़ी में वापसी न करें, ताकि लंबे समय तक चलने वाली चोट का खतरा न बढ़े। माना जा रहा है कि गिल अब अगले वर्ष ही मैदान पर लौटेंगे।

ODI सीरीज की कप्तानी को लेकर चयनकर्ताओं की चुनौती

गिल के बाहर होने से चयनकर्ताओं के सामने नई मुश्किल खड़ी हो गई है, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI टीम का कप्तान कौन होगा? इसी बीच, श्रेयस अय्यर भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी स्प्लीन इंजरी से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में भारत को एक भरोसेमंद कप्तान की ज़रूरत है जो टीम को संभाल सके और गिल-अय्यर की गैर-मौजूदगी में स्थिरता ला सके।

केएल राहुल की कप्तान के रूप में वापसी लगभग तय

सूत्रों के अनुसार, केएल राहुल की ODI कप्तान के रूप में वापसी अब लगभग पक्की मानी जा रही है। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका ODI सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी राहुल इससे पहले भी 12 ODI में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। उनका पहला कप्तानी असाइनमेंट जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ही था। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की पिछली ODI कप्तानी भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी, और अब दो साल बाद वे फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ही कप्तान की भूमिका में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आगे की राह

गिल की चोट और प्रयोगात्मक कप्तानी से टीम की बल्लेबाज़ी बैलेंस पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि दिसंबर सीरीज तक नए चेहरे, अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलकर संतुलित प्रदर्शन करें। टीम को अब गिल की फिटनेस से ज्यादा उनके दीर्घकालिक करियर को सुरक्षित रखना है, इसलिए यह ब्रेक भविष्य के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु ।आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूड़शन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सज़ा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अकेले राजधानी गाज़ीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने। ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स: पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्ष्ठुश्ठु थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुई भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, त्20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'त्20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुई, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंग्नौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गईं।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

अगर आपके पास वोट हैं, तो मेरे पास फंड, हमें रिजेक्ट करोगे तो हम भी...

-डिप्टी सीएम अजित पवार के पंचायत चुनाव में दिए बयान पर सियासत गरमाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के मालेगांव में पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। दरअसल अजित पवार ने एक रैली में वोटर्स से कहा था कि अगर आपके पास वोट है, तो मेरे पास फंड है। विपक्ष ने इसे लेकर चुनाव आयोग से सवाल पूछा है।

बता दें अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनकी पार्टी के उम्मीदवार को चुनेंगे तो वे शहर में फंड की कोई कमी नहीं होने देंगे, लेकिन यदि वे उन्हें रिजेक्ट करते हैं, तो वे भी रिजेक्ट कर देंगे। आपके पास वोट हैं, मेरे पास फंड है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार शुक्रवार को बारामती तहसील में मालेगांव नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। पवार महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री भी हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने अजित पवार पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फंड आम लोगों के टैक्स से आता हैं, न कि अजित पवार के घर से। अगर पवार जैसे नेता वोटर्स को धमका रहे हैं, तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है?÷ नगर पंचायत चुनाव 2 दिसंबर को होना हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और बीजेपी समर्थित पैनल ने मालेगांव में गठबंधन किया है। मालेगांव बारामती का वह इलाका है, जहां अजित पवार परिवार का राजनीतिक प्रभाव है।

बता दें इससे पहले भी 26 सितंबर को अजित पवार मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम अजित पवार ने गुस्से में कहा था- इसे मुख्यमंत्री बना दो! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं?

ईडी ने झारखंड-पश्चिम बंगाल में मारे छापे, 14 करोड़ नकदी व सोना जब्त

-कोयला घोटाले को लेकर एजेंसी ने दोनों राज्यों में 44 ठिकानों की ली तलाशी

रांची (एजेंसी)। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ तलाशी में 14 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और सोना जब्त किया है। इस मामले में ईडी ने बयान में कहा कि कोयले के बड़े पैमाने पर अवैध खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के मामले में दोनों राज्यों में 44 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। ईडी से मिली जानकारी के मुताबिक छापे में करीब 14 करोड़ रुपए से जयादा की नकदी, आभूषण और सोना, कोयला गिरोह से जुड़े अलग-अलग प्रॉपर्टी के दस्तावेज और जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित समझौते, कई डिजिटल उपकरण, नेटवर्क द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के खाता बही आदि जब्त किए हैं। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के लिए दोनों राज्यों में पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर का संज्ञान लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने बताया कि एफआईआर से संकेत मिलता है कि झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक विशाल अवैध कोयला आपूर्ति नेटवर्क चल रहा है। ईडी ने कहा कि तलाशी में जब्त किए गए दस्तावेज और दूसरे रिकॉर्ड से एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। इन दस्तावेजों से स्थानीय अधिकारियों की मदद से चल रहे एक ऑर्गनाइज्ड रैकेट का भी पता चला है। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यह सिंडिकेट पश्चिम बंगाल और झारखंड के बॉर्डर इलाकों में सक्रिय है और इसने क्राइम से बहुत कमाई की है।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

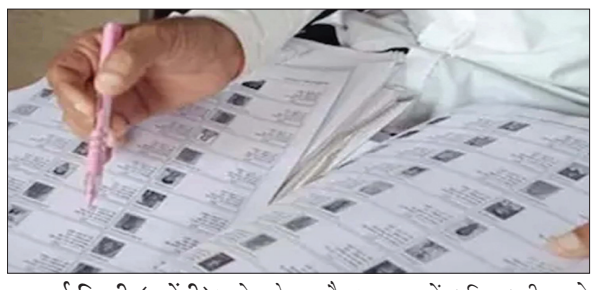

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है।मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्टया कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या– यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था।जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात' से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

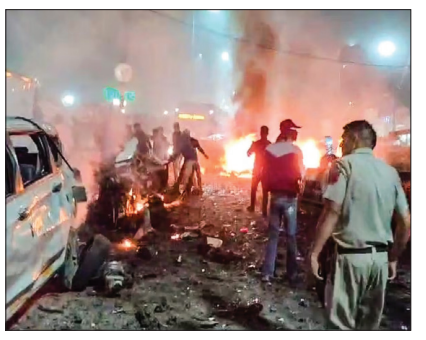

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया। वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन

का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।